Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 23-05-2006

Participants : Rawat Prof. Rasa Singh

>

Title : Need for six laning of National Highway from Haryana border to Jaipur and Kishangarh to Gujarat border.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : महोदय, राजस्थान क्षेत्रफल की दृटि से सबसे बड़ा राज्य है। परन्तु सड़कों की दृटि से अभी यह राज्य उन्नत राज्यों की श्रेणी में नहीं आ पाया है। वर्तमान में राजस्थान में स्वर्णिम चतुर्भुज को 4 लेन किये जाने का कार्य कुछ समय पूर्व ही पूर्ण हुआ है। जो दिल्ली मुम्बई स्वर्णिम चतुर्भुज का राजसान में शाहजहांपुर, बहरोड, जयपुर, किशनगढ़, भीलवाडा, चित्तौड़, उदयपुर होकर गुजरात की सीमा तक है। चार लेन का बन जाने के बावजूद भी यह स्वर्णिम चतुर्भुज राट्रीय राजमार्ग दिल्ली मुम्बई रूट पर स्थिति होने के कारण राजस्थान गुजरात की जी वन रेखा की तरह है। इस पर यातायात का भारी दवाब बना रहता है परिणामस्वरूप भीड़भाड़ अथवा यातायात में बवरोध एवं दुर्घटनायें होती रही हैं। यह स्वर्णिम चर्तुभुज जयपुर से लेकर किशनगढ तक 6 लेन का बन चुका है जिसके कारण जयपुर किशनगढ अजमेर के बीच यातायात परिचालन में बहुत सुविधा हुयी है। दुर्घटनाएं भी कम हुयी हैं तथा समय में भी काफी बचत रहती है एवं वाहनों के लिए भी लाभप्रद है। इन सभी लाभों को देखते हुए सड़क यातायात की क्षमता में सुधार लाने के लिए तथा सडक सुरक्षा में वृद्धि करने हेतु इस सम्पूर्ण स्वर्णिम चतुर्भुज मार्ग को राजस्थान एवं हरियाणा सीमा में जयपुर (163 किमी) तथा किशनगढ से गुजरात सीमा तक (425 किमी0) को 6 लेन किये जाने का कार्य तुरंत प्रारंभ किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान में स्वर्णिम चतुर्भुज को हरियाणा सीमा से जयपुर (163 किमी) तथा किशनगढ़ से गुजरात सीमा तक (425 किमी) को शीघ्र ही 6 लेन का निर्माण करने के प्रस्ताव को एनएचडीपी में सम्मिलित किया जाये।